ॐ

~~~~~~~~~~

विद्या भवन,बालिका विद्यापीठ,लखीसराय ।

कक्षा-अष्टम विषय-हिन्दी(व्याकरण)

दिनांक—31 /08/2020 लिंग एवं वचन

~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~

卐 सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया 卐

मेरे प्यारे बच्चों, शुभ प्रभात!

आपका हर दिन खुशियों से भरा हो!

<u>एन सी इ आर टी पर आधारित</u>

<u>वचन संबंधी कुछ विशेष बातें</u>

3. आदरणीय व्यक्तियों का प्रयोग बहुवचन में होता है यानी उनके लिए बहुवचन क्रिया लगाई जाती हैं;जैसे-

- मेरे पिताजी आए हैं
- गुरु जी ऐसा कहते हैं कि पेड़ पौधे हमारे मित्र हैं ।
- माताजी देवघर जाना चाहती थीं; किन्तु मैंने उनकी अवस्था देख उन्हें मना कर दिया।

4. नाना, दादा, चाचा, पिता, युवा, योद्धा आदि का बहुवचन रूप वही होता है।

5 द्रव्यवाचक संज्ञाओं के प्रकार (भेद) रहने पर उनका प्रयोग बहुवचन में होता है; जैसे-

- धनबाद में आज भी बहुत प्रकार के कोयले पाए जाते हैं।
- लोहे कई प्रकार के होते हैं।

6.प्रत्येक, हर एक आदि का प्रयोग सदा एकवचन में होता है; जैसे-

- प्रत्येक व्यक्ति ऐसा ही कहता है।
- आज हर कोई मानसिक रूप से बीमार दिखता है ।
- इस भागदौड़ की दुनिया में हरएक परेशान है।
- 7.अनेक स्वयं बहुवचन है (यह एक का बहुवचन है। इसलिए अनेकों का प्रयोग वर्जित है; जैसे-

- मजदूरों के अनेक नाम हैं।

ध्यातव्य: कविता आदि में मात्रा घटने की स्थिति में अनेकों का प्रयोग भी देखा जाता है। जैसे-

पहर दो पहर क्या

अनेकों पहर तक

उसी में रही मैं। (बसंती हवा)

8.यदि आकारान्त पुँ. संज्ञा के बाद किसी कारक का चिन्ह आए तो वहाँ एकवचन अर्थ

में भी वह संज्ञा आकार की एकार हो जाती है;जैसे-

अमिताभ के बेटे की शादी ऐश्वर्या राय से हुई।

- 9.कारक चिन्ह रहने पर पुँ० संज्ञाओं के पूर्ववर्ती आकारान्त विशेषण तथा क्रियाविशेषण का रूप एकारान्त हो जाता है। उदाहरण –
- मेरा छोटा भाई ने आपकी चर्चा की थी।
- मेरे छोटे भाई ने आपकी चर्चा की थी।

धन्यवाद।

कुमारी पिंकी "कुसुम"